यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2022

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 9

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो ¼✓½ सही या ¼✗½ गलत करें। ¼ ½

2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1 नीचे लिखी गाथाओं को पूरा कीजिये- **20**

1. वित्तेण .....
..... दठ्ठुमदट्ठमेव।

2. स पुव्वमेवं .....
..... सरीरस्स भेए।।

3. नादंसणिस्स .....
..... निव्वाणं।।

4. जो जिणदिट्ठे .....
..... नायव्वे।

5. एगत्तं च .....
..... तु लक्खणं।।

6. मंदाय फासा .....

..... पयहेज्ज लोहं

7. गुणाण-माराओ .....

.....अस्सिया भवे।

8. जेठ तपै .....

..... नगन शरीर।

9. केवल ज्ञानालोक .....

..... पूर्ण अचल

10. मैं भी सिद्ध .....

..... सरसे।।

प्रश्न 2 नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप मे दीजिए – **10**

1. आहारक शरीर बनाने का चौथा कारण लिखिए।

.....

2. अर्द्धनाराच संहनन किसे कहते हैं?

.....

3. दृष्टि किसे कहते हैं?

.....

4. इच्छाकार का क्या अर्थ है?

.....

5. चित्ररसा वृक्ष का क्या काम होता है?

.....

6. एक शीत स्निग्ध परमाणु किससे बनता है?

.....

7. आज प्रवचन में अच्छा टाईम पास हो गया है इस वाक्य को सही करके लिखिए।

.....

8. आशातना किसे कहते है?

.....

9. पांचवे आरे के कोई 3 लक्षण लिखो।

.....

10. युगलिक किसे कहते हैं?

.....

प्रश्न 3 अंको में उत्तर दीजिए – **12**

1. 7वीं पृथ्वी की उत्तर वैक्रिय की अवगाहना। .....
2. असन्नी मनुष्य में योग। .....
3. चमरेन्द्रजी के भवनवासी देवों की स्थिति .....
4. 9 लोकोन्तिक देवों की स्थिति .....
5. सिद्ध भगवान में प्राण .....
6. ब्रह्मचर्य प्रतिमा कितने मास की होती है। .....
7. ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र के कितने अध्ययन है। .....
8. गौतम स्वामी के कितने शिष्य है। .....
9. 1 मुहुर्त्त में आवलिका होती है। .....
10. ऋषभ देव कितने समय तक कुमार अवस्था मे रहे। .....
11. जम्बूस्वामी कितने समय तक केवली पर्याय में रहे। .....
12. भारी दोष कितने होते है। .....

प्रश्न 4 चरण बताइए – **5**

1. लाभंतरे जीविय बूहइता .....
2. कडाण कम्माण न मुक्ख अत्थि .....
3. वीरियं उवओगे य .....
4. जो आत्थिकाय धम्मं .....
5. तवेण परिसुज्सई .....

प्रश्न 5 गाथा पहचानकर आगे की गाथा का पहला चरण लिखो – **5**

1. खो खलु किरिवारई नाम .....
2. संतेए तहिया नव .....
3. कालो पुग्गल जंतवो .....
4. वेराणु बद्धा नरयं उवेंति .....
5. पच्छा परिण्णाय मलावधंसी .....

प्रश्न 6 मिनींग लिखिए – **5**

1. विहिंसा ..... 2. वरकाले .....
3. बहुलोहणिज्जा ..... 4. परज्झा .....
5. त्ति वेमि ..... 6. लक्खणं .....
7. उज्जोओ ..... 8. पइण्णगं .....
9. अन्नाणं ..... 10. घव्विहों .....

प्रश्न 7. मुझे पहचानो **12**

1. हम सम्यग् दर्शन का घात करते है। .....
2. रात्रि में शीत और दिन में ताप अत्यन्न प्रबल होता है इसलिए हम बाहर नहीं आते है। .....
3. मै शोरगुल सुनकर जाग गया .....
4. मैंने ममता करी इसलिये मेरा मोक्ष रूक गया। .....
5. अपापा नगर में किसने बहुत बड़े यज्ञ का आयोजन किया। .....
6. मैंने मेरे पति के साथ नगर में त्याग किया .....
7. अल्पशास्त्र का जानकर होते हुए भी खुद की तारीफ करे। .....
8. कहीं से अनधारी आपति आ जाने से कौन सा भय होता है। .....
9. कीड़ी की कतार तरह जीव के प्रदेश अलग–2 निकले। .....
10. अनाहारक कौन है। .....
11. आत्मा से होने वाले ज्ञान कौन–कौन से है। .....
12. मैं पहले पृथ्वी तक ही जाता हूँ आगे नहीं। .....

प्रश्न 8. सही और गलत बताइये तथा गलत को सही कीजिये **12**

1. रात्रि में हरिशचंद्र ब्राह्मण दासत्व को स्वीकार कर श्मशान की रखवाली कर रहे थे। ( )
2. जो सती कच्चे सूत से छननी बांधकर तालाब से पानी निकालेगी और द्वार खोलेगी। ( )
3. राजा हरिशचन्द्र एवं महारानी तारा ने अनेक लोगो के साथ श्रावक व्रत ग्रहण किया। ( )
4. इन्द्रभूते! तुम्हारे अंतर में जीव के अस्तित्व और अनास्तिव्व की ऊहापोह हैं। ( )
5. विशेषधर्मो का बोध आनाकार उपयोग है। ( )
6. अपर्याप्त जीव उच्छ्वास नाम का बंध नहीं करता है। ( )
7. प्रतिमाधारी साधु तीन स्थान में निवास करते है। ( )
8. अंगशास्त्र में अपरिमित कार्तिक हैं। ( )
9. देव विमान कही और! भ्रांति मिटि तो अचरज बढ़ा। ( )
10. संसार में भटकाने वाले भावों को मिथ्यात्व कहते हैं। ( )

11. निश्चयकारी भाषा बोलना असमाधि का स्थान है। ( )

12. योग संग्रह के द्वारा मोक्ष की साधना सुचारू रूप में होती है। ( )

प्रश्न 9 बूझो तो जाने– **10**

1. मैं तो था सत्यवादी।

पहुंच गया शमशाम

हुई खूब परीक्षा

अंत में हो गई आत्म समीक्षा

.....

.....

.....

2. बुद्ध का था मैं अनुयायी, मोह के कारण बन गया अन्यायी

बौद्ध धर्म को त्यागा, बन गया जिन धर्म का सेवक

.....

.....

.....

3. भगवान का प्रथम गणधर, वैध विद्या का जानकर

थे अनेक शिष्य, बन गए वीर के सुशिष्य

.....

.....

4. आंवले के बराबर था आहार, निवास था वन घर

भोग तथा धर्म का था काल बताइए हमारा नाम।

.....

.....

.....

5. वे गुरु चरण जहाँ धरे, जंगम तीरथ जेह

सो रज मम मस्तक चढ़ो, मैं मांगूजी एह।।

.....

.....

.....

प्रश्न 10 नीचे लिखी गाथाओं के अर्थ लिखो – **6**

1. असंखयं जीविय मा पमायए, जरोवणीयस्स हु नत्थि ताणं।

एवं वियावाहि जणे पमत्ते, किन्तु विहिंसा अजया गहिंति।।

.....

.....

.....

2. दव्वाण सव्वभावा सव्वपमाणेहिं जस्स उवलद्धा।

सव्ववाहिं नय विहीहिं, वित्थाररूइत्ति नायव्वो।।

.....

.....

3. खवेत्ता पुव्वकम्माइं, संजमेण तवेण य।

सव्वदुक्ख–पहीणह्म, पक्कमंति महेसिणो।।

.....

.....